

# Question

**Q1. Sultan Mahmud Ghazni was a contemporary of which Chola king?**

सुल्तान महमूद ग़ज़नवी किस चोल राजा के समकालीन थे?



- A. Rajendra III / राजेन्द्र तृतीय**
- B. Rajendra II / राजेन्द्र द्वितीय**
- C. Rajadhiraja / राजाधिराज**
- D. Rajendra I / राजेन्द्र प्रथम**

# Solution

Correct Answer is Rajendra I

MAHMUD GHAZNI (998–1030 CE)

## 1. Origin/ उत्पत्ति

- Son of Sabuktigin, founder of the Ghaznavid dynasty in Afghanistan./ अफ़ग़ानिस्तान में ग़ज़नवी वंश के संस्थापक, सबुत्तगीन का पुत्र।
- Made Ghazni his capital./ ग़ज़नी को अपनी राजधानी बनाया।

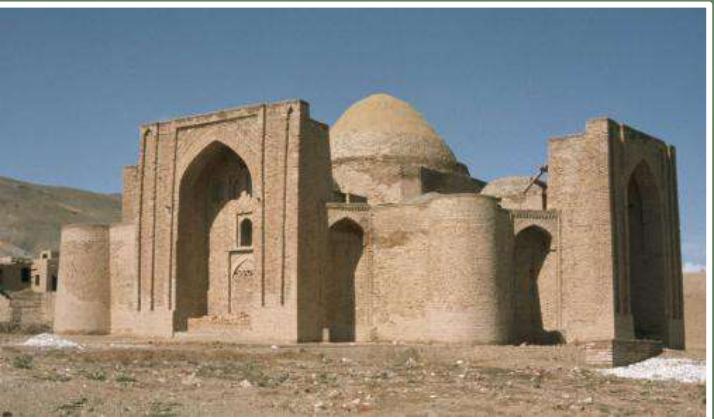


## 2. Invasions of India/ भारत पर आक्रमण

- Invaded India 17 times./ भारत पर 17 बार आक्रमण किया।
- Main purpose: plunder wealth and spread Islam./ मुख्य उद्देश्य: धन लूटना और इस्लाम का प्रसार करना।
- Famous raids/ प्रसिद्ध आक्रमण
  - ✓ Somnath Temple (1025 CE) – Gujarat; richest temple looted and destroyed./ सोमनाथ मंदिर (1025 ई.) - गुजरात; सबसे समृद्ध मंदिर को लूटा और नष्ट किया गया।
  - ✓ Thanesar, Mathura, Kanauj, and Nagarkot – other major raids./ थानेसर, मथुरा, कन्नौज और नगरकोट - अन्य प्रमुख आक्रमण।

## Administration & Achievements/ प्रशासन एवं उपलब्धियाँ

- Built splendid mosques and palaces at Ghazni. / गज़नी में भव्य मस्जिदें और महल बनवाए।



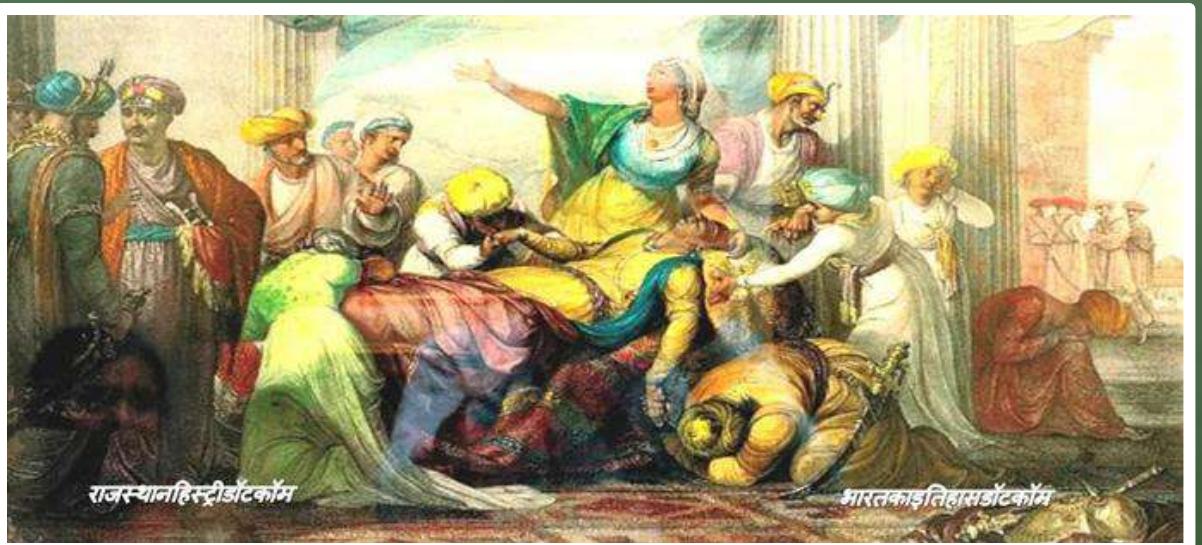
- Patron of art and learning./ कला और शिक्षा के संरक्षक।
- Patronized scholar Al-Biruni, author of Kitab-ul-Hind (study of India)./ किताब-उल-हिंद (भारत का अध्ययन) के लेखक, विद्वान अल-बिरुनी को संरक्षण दिया।
- Title: “Sultan” — first ruler to use this title./ उपाधि: "सुल्तान" - इस उपाधि का प्रयोग करने वाले प्रथम शासक।

## Impact on India/ भारत पर प्रभाव

- His raids weakened North Indian kingdoms, especially Rashtrakutas and Pratiharas./ उनके आक्रमणों ने उत्तर भारतीय राज्यों, विशेषकर राष्ट्रकूटों और प्रतिहारों को कमज़ोर कर दिया।
- Paved the way for later Muslim invasions (like Muhammad Ghori)./ बाद के मुस्लिम आक्रमणों (जैसे मुहम्मद गोरी) का मार्ग प्रशस्त किया।

## Death/ मृत्यु

- Died in 1030 CE at Ghazni./ 1030 ई. में ग़ज़नी में मृत्यु हो गई।



## Question

**Q2. Assertion (A): Mahmud Ghazi invaded India seventeen times.**

**Reason (R): He wanted to establish permanent Muslim Empire in India.**

**कथन (A): महमूद ग़ज़नवी ने भारत पर सत्रह बार आक्रमण किया।**

**कारण (R): वह भारत में स्थायी मुस्लिम साम्राज्य स्थापित करना चाहता था।**

**[U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2004]**

**A. Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A). / दोनों कथन सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।**

**B. Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A). / दोनों कथन सही हैं, परंतु (R), (A) का सही कारण नहीं है।**

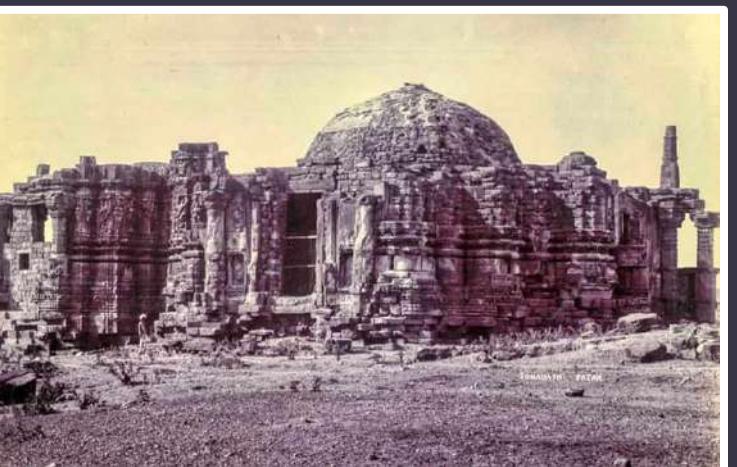
**C. (A) is true, but (R) is false. / (A) सही है, पर (R) गलत है।**

**D. (A) is false, but (R) is true. / (A) गलत है, पर (R) सही है।**

## Solution

Correct Answer is option C

- **Mahmud Ghazni indeed invaded India seventeen times between 1001 and 1027 CE, with his attack on the Somnath Temple in 1025 CE being the most famous./ मोहम्मद ग़ज़नवी ने वास्तव में 1001 और 1027 ई. के बीच भारत पर सत्रह बार आक्रमण किया, जिसमें 1025 ई. में सोमनाथ मंदिर पर उसका आक्रमण सबसे प्रसिद्ध था।**
- **Ghazni's primary objective was to plunder the immense wealth and resources of India, not to establish permanent territorial control. / ग़ज़नवी का मुख्य उद्देश्य भारत की अपार संपत्ति और संसाधनों को लूटना था, न कि स्थायी क्षेत्रीय नियंत्रण स्थापित करना।**
- **He never set up any lasting administrative system in India. / उसने भारत में कभी कोई स्थायी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित नहीं की।**



सोमनाथ मंदिर

## Solution

- **Mahmud Ghazni was a Turkic ruler of the Ghaznavid Empire (present-day Afghanistan). / मोहम्मद ग़ज़नवी ग़ज़नवी साम्राज्य (वर्तमान अफ़ग़ानिस्तान) का एक तुर्क शासक था।**
- **His invasions paved the way for Islamic rule in India, although he was primarily a plunderer. / उसके आक्रमणों ने भारत में इस्लामी शासन का मार्ग प्रशस्त किया, हालाँकि वह मुख्यतः एक लुटेरा था।**
- **After Ghazni, Muhammad Ghori established the first permanent Muslim empire in India, founded after the Second Battle of Tarain in 1192 CE./ ग़ज़नवी के बाद, मुहम्मद गोरी ने भारत में पहला स्थायी मुस्लिम साम्राज्य स्थापित किया, जिसकी स्थापना 1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध के बाद हुई।**

# Question

**Q3. In which year was the Battle of Peshawar fought between Raja Jaypal and Mahmud Ghazni?**

राजा जयपाल और महमूद ग़ज़नवी के बीच पेशावर का युद्ध किस वर्ष लड़ा गया था?



[SSC CHSL 2022]

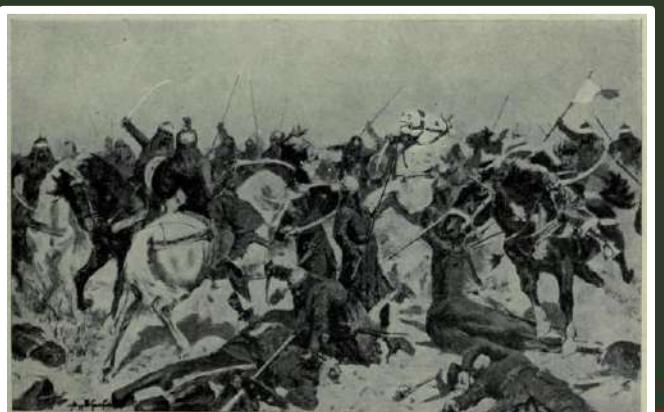
- A. 1001**
- B. 1112**
- C. 1305**
- D. None of the above / उपर्युक्त में से कोई नहीं**



# Solution

Correct Answer is 1001

- The Battle of Peshawar was fought in 1001 CE. / पेशावर का युद्ध 1001 ई. में लड़ा गया था।
- This battle was fought between Mahmud Ghazni, the ruler of the Ghaznavid Empire, and Raja Jayapala of the Hindu Shahi dynasty. / यह युद्ध गजनवी साम्राज्य के शासक महमूद गजनवी और हिंदू शाही वंश के राजा जयपाल के बीच लड़ा गया था।
- Mahmud Ghazni initiated a series of 17 invasions into India, and the Battle of Peshawar was his first major military confrontation. / महमूद गजनवी ने भारत पर 17 आक्रमणों की एक श्रृंखला शुरू की, और पेशावर का युद्ध उसका पहला बड़ा सैन्य संघर्ष था।
- Raja Jayapala's son, Anandapala, also fought against Mahmud in the Battle of Waihind in 1008 AD./ राजा जयपाल के पुत्र आनंदपाल ने भी 1008 ई. में वैहिंद के युद्ध में महमूद के विरुद्ध युद्ध लड़ा था।
- The Hindu Shahi dynasty had guarded the northwestern frontier for nearly 150 years, but Mahmud's invasions significantly weakened their power./ हिंदू शाही वंश ने लगभग 150 वर्षों तक उत्तर-पश्चिमी सीमा की रक्षा की थी, लेकिन महमूद के आक्रमणों ने उनकी शक्ति को काफी कमज़ोर कर दिया था।



# Question

**Q4. The famous Arabic scholar Al-Biruni came into contact with India through?**

प्रसिद्ध अरबी विद्वान अल-बेरुनी भारत के संपर्क में किसके माध्यम से आया था?

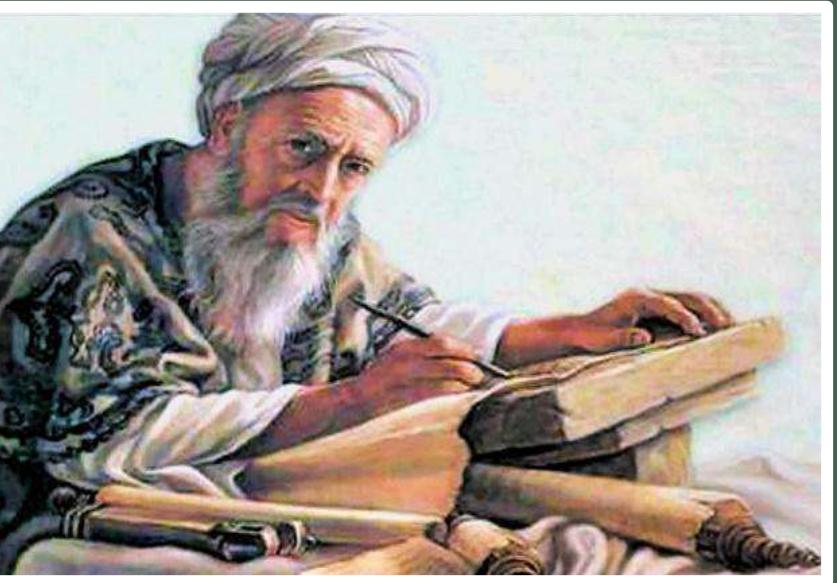
 [SSC CGL 2023]

- A. Abdullah Shah Ghazi / अब्दुल्ला शाह गाजी**
- B. Mahmud Ghazni / महमूद ग़जनवी**
- C. Al-Walid I / अल-वालिद प्रथम**
- D. Muhammad Bin Qasim / मुहम्मद बिन क़ासिम**

# Solution

## Correct Answer is Mahmud Ghazni

- The famous Arabic scholar Al-Biruni came into contact with India through Mahmud Ghazni. / प्रसिद्ध अरबी विद्वान अल-बिरुनी महमूद गजनवी के माध्यम से भारत के संपर्क में आए।



- During Mahmud Ghazni's seventeen invasions of India, Al-Biruni extensively studied Indian scholars, philosophy, mathematics, astronomy, and culture. / महमूद गजनवी के भारत पर सत्रह आक्रमणों के दौरान, अल-बिरुनी ने भारतीय विद्वानों, दर्शन, गणित, खगोल विज्ञान और संस्कृति का गहन अध्ययन किया।

# Solution

- This contact led him to write his famous book 'Kitab-ul-Hind' (Tahqiq-i-Hind), which is a significant historical and cultural document about India. / इस संपर्क ने उन्हें अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'किताब-उल-हिंद' (तहकीक-ए-हिंद) लिखने के लिए प्रेरित किया, जो भारत के बारे में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दस्तावेज है।
- He was born in 973 CE in Khwarizm. / उनका जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म में हुआ था।
- While in India, he learned Sanskrit and translated Indian astronomical and mathematical texts into Arabic. / भारत में रहते हुए, उन्होंने संस्कृत सीखी और भारतीय खगोलीय और गणितीय ग्रंथों का अरबी में अनुवाद किया।
- Ferdowsi was a Persian poet at Mahmud of Ghazni's court. / फिरदौसी महमूद गजनवी के दरबार में एक फ़ारसी कवि थे।
- He wrote "Shahnama. / उन्होंने "शाहनामा" लिखा।



# Question



**Q5. Who among the following rulers ruled before  
Prithviraj Chauhan over Delhi?**

निम्नलिखित में से किस शासक ने पृथ्वीराज चौहान से पहले दिल्ली पर  
शासन किया था?

SSC CGL 2022

- A. Ghiyasuddin Balban / गियासुद्दीन बलबन**
- B. Ananga Pala / अनंगपाल**
- C. Jalaluddin Khalji / जलालुद्दीन खिलजी**
- D. Qutbuddin Aibak / कुतुबुद्दीन ऐबक**



# Solution



Correct Answer is Ananga Pala

- **Prithviraj Chauhan III (1178-1192 CE) was the Chauhan ruler of Delhi and Ajmer. / पृथ्वीराज चौहान तृतीय (1178-1192 ई.) दिल्ली और अजमेर के चौहान शासक थे।**
- **Before him, Delhi was ruled by the Tomar dynasty. / उनसे पहले, दिल्ली पर तोमर वंश का शासन था।**

Anangpal Tomar I / अनंगपाल तोमर I

- **Founder of the Tomar dynasty in Delhi in 736 CE(8th century CE). / दिल्ली में तोमर वंश के संस्थापक (11वीं शताब्दी ई.)।**
- **Built the city of Lal Kot (Delhi), which later became Qila Rai Pithora under the Chauhans./ उन्होंने लाल कोट (दिल्ली) शहर का निर्माण कराया, जो बाद में चौहानों के अधीन किला राय पिथौरा बन गया।**
- **The Anangtal lake in Delhi was built by Ananga Pala II (later Tomar ruler of 11<sup>th</sup> Century)./ दिल्ली में अनंगताल झील का निर्माण अनंग पाल II ने करवाया था 11वीं शताब्दी में।**



# Solution



- **Belonged to the Tomar Rajput clan. / तोमर राजपूत वंश से संबंधित थे।**
- **His lineage was linked to Prithviraj Chauhan, as Anangpal's daughter married into the Chauhan family./ उनका वंश पृथ्वीराज चौहान से जुड़ा था, क्योंकि अनंगपाल की पुत्री का विवाह चौहान वंश में हुआ था।**
- **Ruler of the Chauhan (Chahamanas) dynasty of Ajmer and Delhi./ अजमेर और दिल्ली के चौहान (चहमान) वंश के शासक।**
- **Grandson (or descendant) of Anangpal Tomar, who handed over Delhi to him./ अनंगपाल तोमर के पोते (या वंशज), जिन्होंने उन्हें दिल्ली सौंप दी थी।**
- **Known for two battles of Tarain (1191 & 1192 CE) against Muhammad Ghori./ मुहम्मद गोरी के विरुद्ध तराइन के दो युद्धों (1191 और 1192 ई.) के लिए जाने जाते हैं।**





# Solution



- ✓ **1st Battle (1191 CE): Prithviraj defeated Ghori./ प्रथम युद्ध (1191 ई.): पृथ्वीराज ने गोरी को हराया।**
- ✓ **2nd Battle (1192 CE): Ghori defeated and captured Prithviraj, ending Rajput dominance in North India./ द्वितीय युद्ध (1192 ई.): गोरी ने पृथ्वीराज को हराकर बंदी बना लिया, जिससे उत्तर भारत में राजपूतों का प्रभुत्व समाप्त हो गया।**
- **Famous for his bravery and romantic legend with Princess Sanyogita./ अपनी बहादुरी और राजकुमारी संयोगिता के साथ प्रेम कथा के लिए प्रसिद्ध।**
- **Patron of poet Chand Bardai, author of Prithviraj Raso./ कवि चंदबरदाई के संरक्षक, पृथ्वीराज रासो के रचयिता।**



# Question

**Q6. In which of the following battles did Muhammad Ghori defeat Jayachandra of Gahadavala dynasty in 1194 AD?**

निम्नलिखित में से किस युद्ध में मोहम्मद गौरी ने 1194 ई. में गहड़वाल वंश के जयचंद्र को पराजित किया था?



[SSC CGL 2024]

- A. First Battle of Tarain / तराइन का प्रथम युद्ध**
- B. Battle of Chandawar / चंदावर का युद्ध**
- C. Battle of Anhilwara / अनहिलवाड़ा का युद्ध**
- D. Second Battle of Tarain / तराइन का द्वितीय युद्ध**

# Solution

## Correct Answer is Battle of Chandawar

- **The Battle of Chandawar, fought in 1194 AD, is a significant event in Indian history.** / 1194ई.में लड़ा गया चंदावर का युद्ध भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है।
- **In this battle, Muhammad of Ghor, the ruler of the Ghurid Empire, decisively defeated Jayachandra, the king of the Gahadavala dynasty.** / इस युद्ध में, गौरी साम्राज्य के शासक मुहम्मद गौर ने गढ़वाल वंश के राजा जयचंद्र को निर्णायक रूप से पराजित किया।
- **This victory cleared the path for Ghor's expansion into the Gangetic plains and towards Kannauj.** / इस विजय ने गौरी के लिए गंगा के मैदानों और कन्नौज की ओर विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया।
- **Jayachandra was killed during the battle.** / युद्ध के दौरान जयचंद्र मारा गया।

**This event proved to be a major step towards the establishment of the Delhi Sultanate, as it crippled the last major Hindu power in North India./ यह घटना दिल्ली सल्तनत की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, क्योंकि इसने उत्तर भारत की अंतिम प्रमुख हिंदू शक्ति को अपंग बना दिया।**

### **MUHAMMAD GHORI (1173 – 1206 CE)**

#### **Origin**

- **Real name: Mu'izz-ud-Din Muhammad bin Sam.**  
वास्तविक नाम: मुइ़ज़्जुद्दीन मुहम्मद बिन साम।
- **Ruled from Ghor (Afghanistan) — hence called Muhammad Ghori./** ग्होर (अफ़ग़ानिस्तान) से शासन किया -  
इसलिए मुहम्मद ग़ोरी कहलाए।
- **Successor of the Ghaznavid Empire in Afghanistan./**  
अफ़ग़ानिस्तान में ग़ज़नवी साम्राज्य के उत्तराधिकारी।



Muhammad Ghori

# Solution

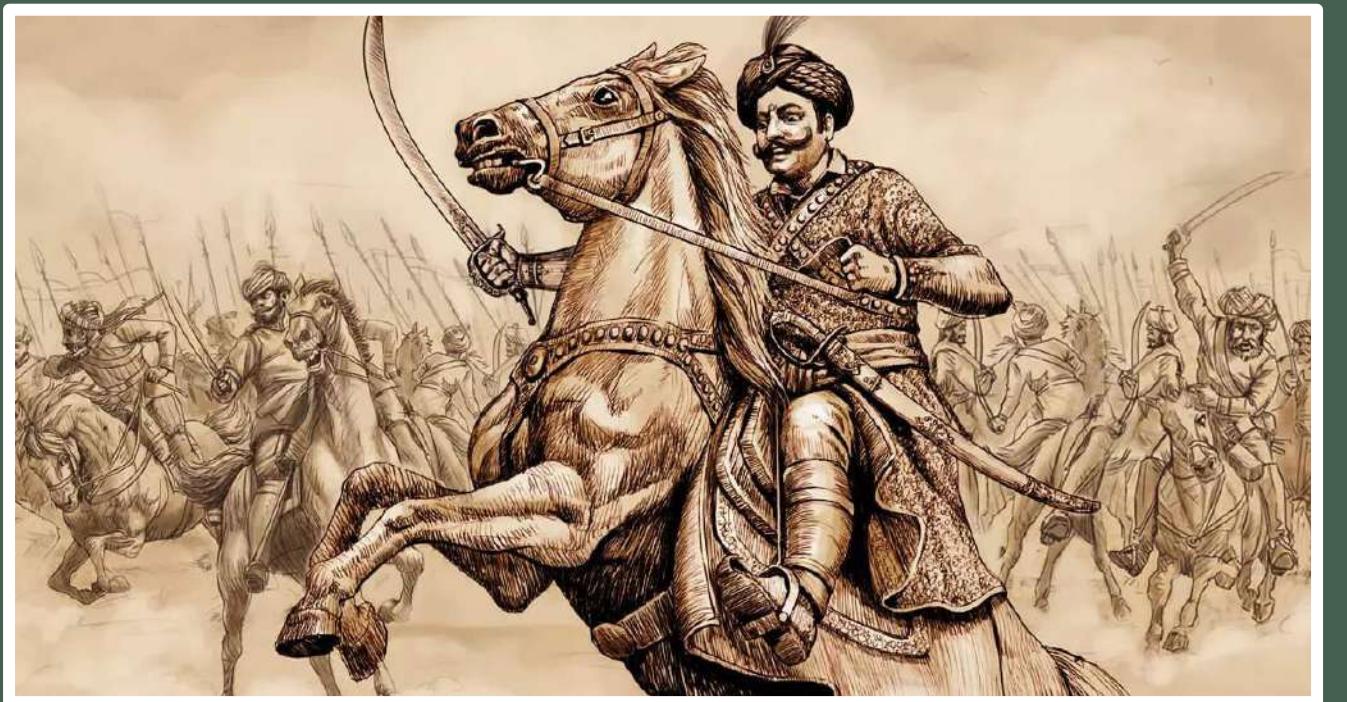
## Invasions of India/ भारत पर आक्रमण

- **First invaded India in 1175 CE, capturing Multan and Sindh.** / 1175 ई. में भारत पर पहला आक्रमण किया, मुल्तान और सिंध पर कब्जा किया।
- **Muhammad Ghori was defeated by the Solanki dynasty of Gujarat in the Battle of Kayadara in 1178, led by the young king Bhima II and his mother, Queen Naikidevi.** / 1178 में कयादरा के युद्ध में गुजरात के सोलंकी वंश ने मुहम्मद गोरी को पराजित किया, जिसका नेतृत्व युवा राजा भीम द्वितीय और उनकी माँ, रानी नाइकीदेवी ने किया था।
- **The battle was fought at a location near Mount Abu in modern-day Rajasthan.** / यह युद्ध आधुनिक राजस्थान में माउंट आबू के निकट एक स्थान पर लड़ा गया था।

# *Solution*

## 1191 CE – First Battle of Tarain/ 1191 ई. - तराइन का प्रथम युद्ध :

- ✓ Fought against Prithviraj Chauhan III (Chauhan ruler of Ajmer & Delhi). / पृथ्वीराज चौहान तृतीय (अजमेर और दिल्ली के चौहान शासक) के विरुद्ध लड़ा गया।
- ✓ Ghori defeated./ गोरी पराजित।



# Solution

## 1192 CE – Second Battle of Tarain / 1192 ई. - तराइन का दूसरा युद्ध:

- ✓ **Ghori returned with a larger army./** गौरी एक बड़ी सेना के साथ लौटा।
- ✓ **Defeated and captured Prithviraj Chauhan — major turning point in Indian history./** पृथ्वीराज चौहान को हराया और बंदी बनाया - भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़।



## 1194 CE – Battle of Chandawar/ 1194 ई. - चंदावर का युद्ध :

- ✓ **Defeated Jayachandra (Gahadavala ruler of Kannauj)./** जयचंद्र (कन्नौज के गढ़वाल शासक) को हराया।
- ✓ **Gained control over much of North India./** उत्तर भारत के अधिकांश भाग पर नियंत्रण प्राप्त किया।

# Solution

## 3. Administration & Legacy / प्रशासन एवं विरासत

- Appointed his trusted slave Qutb-ud-Din Aibak as governor of India./ अपने विश्वसनीय गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत का राज्यपाल नियुक्त किया।
- Aibak later became the founder of the Slave (Dilli Sultanate) Dynasty (1206 CE)./ ऐबक बाद में गुलाम (दिल्ली सल्तनत) राजवंश (1206 ई.) का संस्थापक बना।
- Ghorī's conquests laid the foundation of Muslim rule in North India./ गौरी की विजयों ने उत्तर भारत में मुस्लिम शासन की नींव रखी।

## 4. Death/ मृत्यु

- Killed in 1206 CE while returning from India by the Khokhar tribe./ 1206 ई. में भारत से लौटते समय खोखर जनजाति द्वारा मार दिया गया।

# *Solution*

## 5. Importance/ महत्व

- **Mahmud Ghazni came for plunder;/** महमूद ग़ज्नवी लूटपाट के लिए आया था;
- **Muhammad Ghori came for permanent rule./** मुहम्मद ग़ोरी स्थायी शासन के लिए आया था।
- **His victory at Tarain (1192 CE) marked the beginning of the Delhi Sultanate era./** तराइन में उसकी विजय (1192 ई.) ने दिल्ली सल्तनत युग की शुरुआत को चिह्नित किया।



# Question

**Q7. Who was considered as the viceroy of Muhammad Ghori and overall commander of the army in India?**

भारत में मोहम्मद गौरी का गवर्नर (वायसराय) और सेना का सर्वोच्च सेनापति किसे माना जाता था?

[RPF SI 2024]

- A. Bakhtiyar Khalji / बख्तियार खिलजी**
- B. Taj al-Din Yaldauz / ताजउद्दीन यल्दौज़**
- C. Qutbuddin Aibak / कुतुबुद्दीन ऐबक**
- D. Nasiruddin Qubacha / नासिरुद्दीन कुबाचा**

# Solution

Correct Answer is Qutbuddin Aibak

- After his Indian conquests, Muhammad Ghori entrusted the administrative and military responsibilities to his trusted slave-general, Qutbuddin Aibak. / भारत पर विजय के बाद, मुहम्मद गोरी ने प्रशासनिक और सैन्य ज़िम्मेदारियाँ अपने विश्वसनीय गुलाम-सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक को सौंप दीं।
- He was appointed as Ghori's viceroy (governor) in India and the overall commander of the army. / उन्हें भारत में गोरी का वायसराय (राज्यपाल) और सेना का समग्र सेनापति नियुक्त किया गया।
- Qutbuddin Aibak was also known as 'Lakh Baksh' (giver of lakhs) due to his generosity. He initiated the construction of the Quwwat-ul-Islam Mosque and the Qutub Minar (later completed by Iltutmish) in Delhi. / कुतुबुद्दीन ऐबक अपनी उदारता के कारण 'लाखबरख्श' (लाखों का दान देने वाला) के नाम से भी जाने जाते थे। उन्होंने दिल्ली में कुब्बत-उल-इस्लाम मस्जिद और कुतुब मीनार (जिसे बाद में इल्तुतमिश ने पूरा किया) का निर्माण शुरू करवाया।

# Solution

- He became the founder of the Mamluk (Slave) Dynasty, the first dynasty of the Delhi Sultanate. / वह दिल्ली सल्तनत के पहले राजवंश, मामलुक (गुलाम) वंश का संस्थापक बना।
- Bakhtiyar Khilji destroyed the ancient Nalanda University in 1193 CE./ बख्तियार खिलजी ने 1193 ई. में प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया।
- Another slave of Muizzuddin, Yalduz, succeeded at Ghazni./ मुइ़ज़ुद्दीन का एक अन्य गुलाम, यल्दुज, गजनी में उत्तराधिकारी बना।
- Nasiruddin Qubacha was the governor of Sindh./ नसीरुद्दीन कुबाचा सिंध का गवर्नर था।



# Question

**Q8. Who was the founder of the Delhi Sultanate?**

दिल्ली सल्तनत का संस्थापक कौन था?



[IB SA 2025]

- A. Qutb-ud-din Aibak / कुतुबुद्दीन ऐबक**
- B. Iltutmish / इल्तुतमिश**
- C. Alauddin Khalji / अलाउद्दीन खिलजी**
- D. Balban / बलबन**

# Solution

Correct Answer is Qutb-ud-din Aibak

- **Qutb-ud-din Aibak is regarded as the founder of the Delhi Sultanate./ कुतुबुद्दीन ऐबक को दिल्ली सल्तनत का संस्थापक माना जाता है।**
- **His capital was Lahore, later it was shifted to Delhi by Iltutmish. / उसकी राजधानी लाहौर थी, जिसे बाद में इल्तुतमिश ने दिल्ली बना दिया।**
- **The Delhi Sultanate ruled for nearly 320 years (1206-1526 CE) and comprised five major dynasties: the Mamluk/Gulam Dynasty, Khalji Dynasty, Tughlaq Dynasty, Sayyid Dynasty, and Lodi Dynasty./ दिल्ली सल्तनत ने लगभग 320 वर्षों (1206-1526 ई.) तक शासन किया और इसमें पाँच प्रमुख राजवंश शामिल थे: मामलुक/गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश और लोदी वंश।**

- **Aibak initiated the construction of the Quwwat-ul-Islam Mosque in Delhi and laid the foundation of the Qutub Minar (commemorate Qutub-ud-din Bakhtiyar Kaki), which was later completed by Iltutmish.** / ऐबक ने दिल्ली में कुब्बत-उल-इस्लाम मस्जिद का निर्माण शुरू कराया और कुतुब मीनार (कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में) की नींव रखी, जिसे बाद में इल्तुतमिश ने पूरा करवाया।
- **He died in 1210 CE while playing chaugan (polo) in Lahore (fell from his horse).** / 1210 ई. में लाहौर में चौगान (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरकर उनकी मृत्यु हो गई।
- **He was buried at Anarkali area, Lahore.** / उन्हें लाहौर के अनारकली मोहल्ले में दफनाया गया।
- **He was Succeeded by Aram Shah, later replaced by Iltutmish.** / उनके बाद आराम शाह ने राज किया, जिनकी जगह बाद में इल्तुतमिश ने ली।

# Question

**Q9. During the Sultanate of Delhi, the term 'Ulema' was associated with**

**दिल्ली सल्तनत के दौरान 'उलेमा' शब्द किससे संबंधित था?**

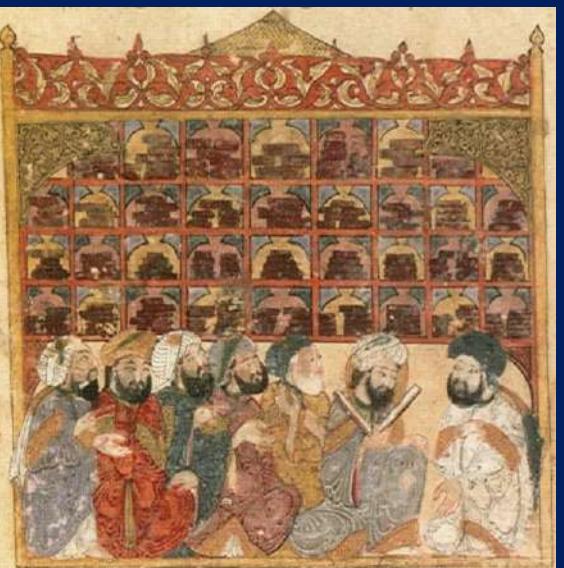
**SSC MTS 2022**

- A. Learned theologians and jurists / विद्वान् धर्मशास्त्री और न्यायविद्**
- B. Commander-in-chief / सेनापति**
- C. Postal officer / डाक अधिकारी**
- D. Village revenue officer / गाँव का राजस्व अधिकारी**

# Solution

Correct Answer is Learned theologians and jurists

- During the Delhi Sultanate period (1206-1526 CE), the term 'Ulema' referred to a class of scholars specializing in Islamic theology and law. / दिल्ली सल्तनत काल (1206-1526 ई.) के दौरान, 'उलेमा' शब्द इस्लामी धर्मशास्त्र और कानून में विशेषज्ञता रखने वाले विद्वानों के एक वर्ग को संदर्भित करता था।
- These individuals were experts in the Quran, Hadith (sayings and actions of Prophet Muhammad), and Islamic jurisprudence (Fiqh). / ये व्यक्ति कुरान, हदीस (पैगंबर मुहम्मद के कथन और कार्य) और इस्लामी न्यायशास्त्र (फ़िक़ह) के विशेषज्ञ थे।
- The Ulema played a crucial role in the Sultanate's administration. / उलेमा सल्तनत के प्रशासन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।



- Sultans often sought their advice on religious and legal matters. / सुल्तान अक्सर धार्मिक और कानूनी मामलों में उनकी सलाह लेते थे।
- They were appointed to key positions such as 'Qazi-ul-Quzat' (Chief Justice) and 'Sadr-us-Sudur' (Head of Religious Affairs). / उन्हें 'काज़ी-उल-क़ज़ात' (मुख्य न्यायाधीश) और 'सद्र-उस-सुदूर' (धार्मिक मामलों के प्रमुख) जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्त किया जाता था।
- The administration of the Delhi Sultanate was centralized. / दिल्ली सल्तनत का प्रशासन केंद्रीकृत था।
- The Sultan was the supreme ruler, assisted by various ministers like the 'Wazir' (Prime Minister/Finance Minister), 'Diwan-i-Arz' (Head of the Military Department), and 'Diwan-i-Insha' (Head of the Correspondence Department). / सुल्तान सर्वोच्च शासक था, जिसकी सहायता के लिए 'व़ज़ीर' (प्रधानमंत्री/वित्त मंत्री), 'दीवान-ए-अर्ज' (सैन्य विभाग का प्रमुख) और 'दीवान-ए-इंशा' (पत्राचार विभाग का प्रमुख) जैसे विभिन्न मंत्री होते थे।

- The empire was divided into provinces called 'Iqtas', managed by 'Muqtis' or 'Walis', who were responsible for revenue collection and local security. / साम्राज्य 'इक्ता' नामक प्रांतों में विभाजित था, जिनका प्रबंधन 'मुक्ति' या 'वालिस' द्वारा किया जाता था, जो राजस्व संग्रह और स्थानीय सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे।
- The army was commanded by the 'Ariz-i-Mumalik'. This administrative structure laid the foundation for the later Mughal Empire./ सेना की कमान 'आरिज-ए-मुमालिक' के पास थी। इस प्रशासनिक ढाँचे ने बाद के मुग़ल साम्राज्य की नींव रखी।



# Question

**Q10. Iltutmish introduced a copper coin called  
\_\_\_\_\_ in place of the silver coin.**

इल्तुतमिश ने रजत (चाँदी) सिक्के के स्थान पर \_\_\_\_\_ नामक तांबे  
का सिक्का जारी किया।

● [SSC CGL 2023]

- A. Rupak / रूपक**
- B. Rupee / रुपया**
- C. Jital / जीतल**
- D. Tanka / टंका**

# Solution

Correct Answer is Jital

- The Delhi Sultanate ruler Iltutmish (1211-1236 CE) introduced significant monetary reforms to establish a strong and unified currency system. / दिल्ली सल्तनत के शासक इल्तुतमिश (1211-1236 ई.) ने एक मज़बूत और एकीकृत मुद्रा प्रणाली स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण मौद्रिक सुधार लागू किए।
- He issued the silver Tanka and the copper Jital. / उन्होंने चाँदी का टंका और ताँबे का जीतल जारी किया।



- **Iltutmish is regarded as the real founder of the Delhi Sultanate, and his monetary policies strengthened the economic foundation of the Sultanate.** / इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक माना जाता है और उनकी मौद्रिक नीतियों ने सल्तनत की आर्थिक नींव को मज़बूत किया।
- **He started the circulation of pure Arabic coins and had the name of the Caliph inscribed on the coins minted in Delhi, which enhanced the legitimacy of his rule.** / उन्होंने शुद्ध अरबी सिक्कों का प्रचलन शुरू किया और दिल्ली में ढाले गए सिक्कों पर खलीफा का नाम अंकित करवाया, जिससे उनके शासन की वैधता बढ़ी।



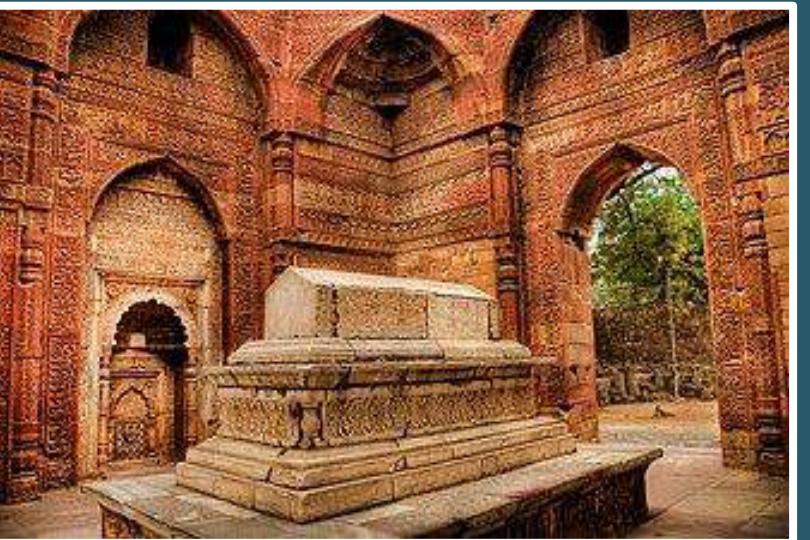
## Iltutmish (1211–1236 CE)

- Slave & son-in-law of Qutb-ud-din Aibak./ कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम और दामाद।
- Defeated Aram Shah and became Sultan of Delhi./ आराम शाह को हराकर दिल्ली का सुल्तान बना।
- Made Delhi the capital of the Sultanate./ दिल्ली को सल्तनत की राजधानी बनाया।
- Introduced silver tanka and copper jital coins./ चाँदी के टंका और ताँबे के जीतल सिक्के चलवाए।



- Organized Iqta system and Chahalgani (Group of Forty)./ इक्ता प्रणाली और चहलगानी (चालीस का समूह) का आयोजन किया।

- Completed Qutub Minar./ कुतुब मीनार का निर्माण पूरा करवाया।
- Recognized by Caliph of Baghdad (1229 CE)./ बगदाद के खलीफा (1229 ई.) द्वारा मान्यता प्राप्त।
- Nominated Razia Sultana as successor./ रजिया सुल्ताना को उत्तराधिकारी मनोनीत किया।
- Died in 1236 CE, buried at Delhi./ 1236 ई. में मृत्यु हो गई, दिल्ली में दफनाया गया।



# Question

Q11. Who among the following is the author of the book  
'Tabaqat-i-Nasiri'?

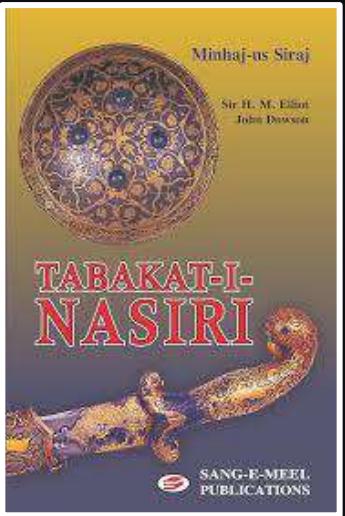
निम्नलिखित में से 'तबकात-ए-नासिरी' ग्रंथ के लेखक कौन हैं?

 SSC CGL 2020

- A. Minhaj-us-Siraj / मिनहाज-उस-सिराज
- B. Al-Biruni / अल-बेरुनी
- C. Ziauddin Barani / जियाउद्दीन बरनी
- D. Amir Khusrau / अमीर खुसरो

# Solution

- The 'Tabaqat-i-Nasiri' is a famous Persian historical text authored by Minhaj-us-Siraj. / 'तबाक्त-ए-नासिरी' मिनहाज-उस-सिराज द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध फारसी ऐतिहासिक ग्रंथ है।
- It contains crucial information about the rulers of the Slave Dynasty, particularly the reigns of Iltutmish and Balban. / इसमें गुलाम वंश के शासकों, विशेषकर इल्तुतमिश और बलबन के शासनकाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी है।
- Tabaqat-i-Nasiri was a chronicle during the reign of Sultan Iltutmish./ तबाक्त-ए-नासिरी सुल्तान इल्तुतमिश के शासनकाल का एक इतिहास-ग्रंथ था।



- **Al-Biruni wrote 'Kitab-ul-Hind'.** / अल-बिरुनी ने 'किताब-उल-हिंद' लिखा।



- **Ziauddin Barani authored 'Tarikh-i-Firoz Shahi', Fatwa-i-Jahandari Amir Khusrau composed works like 'Tughlaqnama', Khazain-ul-Futuh, Nuh Sipihr, Laila Majnu.** / ज़ियाउद्दीन बरनी ने 'तारीख-ए-फ़िरोज़ शाही', फतवा-ए-जहाँदारी की रचना की अमीर खुसरो ने 'तुगलकनामा', खजैन-उल-फुतुह, नूह सिपिहर, लेला मजनू जैसी कृतियों की रचना की।

# Question

**Q12. The Iqta system of land revenue administration was introduced by:**

**भूमि राजस्व प्रशासन की इक्ता प्रणाली किसके द्वारा शुरू की गई थी?**

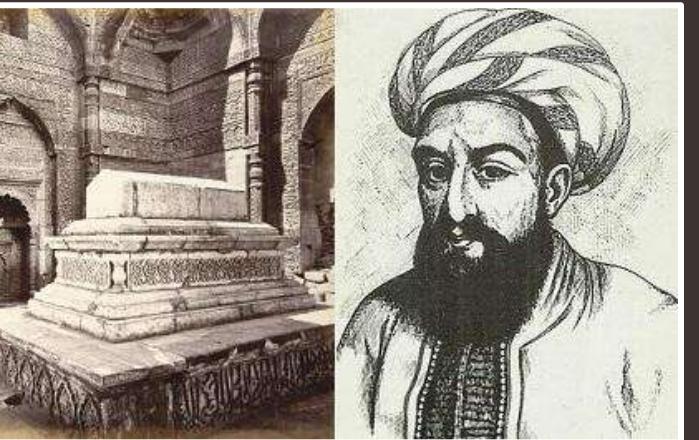
 [IB SA 2025]

- A. Balban / बलबन**
- B. Muhammad bin Tughlaq / मुहम्मद बिन तुगलक**
- C. Shamsuddin Iltutmish / शमसुद्दीन इल्तुतमिश**
- D. Alauddin Khalji / अलाउद्दीन खिलजी**

# *Solution*

**Correct Answer is Shamsuddin Iltutmish**

- The Iqta system of land revenue administration was introduced by Shamsuddin Iltutmish (1211-1236 CE) during the Delhi Sultanate period. / भू-राजस्व प्रशासन की इक्ता प्रणाली दिल्ली सल्तनत काल के दौरान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (1211-1236 ई.) द्वारा शुरू की गई थी।



- An 'Iqta' was a territorial assignment or revenue grant given to a military commander or official (Iqtadar) by the Sultan. / 'इक्ता' सुल्तान द्वारा किसी सैन्य कमांडर या अधिकारी (इक्तादार) को दिया जाने वाला एक क्षेत्रीय आवंटन या राजस्व अनुदान था।

# *Solution*

- In return, the Iqtadar was responsible for collecting land revenue from the assigned area, retaining a portion for maintaining a stipulated number of soldiers and remitting the rest to the central treasury. / बदले में, इक्तादार निर्दिष्ट क्षेत्र से भू-राजस्व एकत्र करने, एक निश्चित संख्या में सैनिकों के रखरखाव के लिए एक हिस्सा रखने और शेष राशि केंद्रीय खजाने में जमा करने के लिए जिम्मेदार था।
- This system helped decentralize administration, ensure a steady flow of revenue, and maintain a loyal military force across the expanding empire. / इस प्रणाली ने प्रशासन को विकेंद्रीकृत करने, राजस्व के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने और विस्तारित साम्राज्य में एक वफादार सैन्य बल बनाए रखने में मदद की।

# Question

**Q13. Which one of the following pairs of ruler and length of their reign is correctly matched?**

निम्नलिखित में से किस शासक और उसके शासनकाल की अवधि का युग्म सही रूप से मिला हुआ है?

**[SSC Phase XIII – 25/07/2025 Shift-1]**

- A. Muhammad Tughluq – Ruled for 15 years / मुहम्मद तुगलक – 15 वर्षों तक शासन किया**
- B. Raziyya – Ruled for 4 years / रजिया – 4 वर्षों तक शासन किया**
- C. Alauddin Khalji – Ruled for 10 years / अलाउद्दीन खिलजी – 10 वर्षों तक शासन किया**
- D. Ghiyasuddin Balban – Ruled for 35 years / गियासुद्दीन बलबन – 35 वर्षों तक शासन किया**

# Solution

Correct Answer is Raziyya – Ruled for 4 years

- **Raziya Sultan was the only female ruler of the Delhi Sultanate./**  
रजिया सुल्तान दिल्ली सल्तनत की एकमात्र महिला शासक थीं।
- **She reigned from 1236 to 1240 CE, making her reign a total of four years./** उन्होंने 1236 से 1240 ईस्वी तक शासन किया, जिससे उनका शासनकाल कुल चार वर्षों का रहा।
- **She was the daughter of Iltutmish, who had nominated her as his successor. /** वह इल्तुतमिश की पुत्री थीं, जिन्होंने उन्हें अपना उत्तराधिकारी नामित किया था।
- **Her reign was marked by opposition from the nobility, particularly the Turkish Chihalgani (The Forty), who were unwilling to accept a female ruler. /** उनके शासनकाल में कुलीन वर्ग, विशेष रूप से तुर्की चिहालगानी (चालीस) का विरोध रहा, जो एक महिला शासक को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे।

- **Jamal-ud-Din Yaqt –slave and close confidant of Razia; promoted to high rank Amir-i-Akhur (superintendent of the royal horses)./ जमाल-उद-दीन याकूत - रजिया का गुलाम और करीबी विश्वासपात्र; उच्च पद पर पदोन्नत - अमीर-ए-अखुर (शाही घोड़ों का अधीक्षक)।**
- **Altunia – Governor of Bhatinda revolted against Razia Sultan./ अल्तुनिया - भटिंडा के राज्यपाल ने रजिया सुल्तान के विरुद्ध विद्रोह किया।**
- **Altunia captured Razia at Bhatinda, and Yaqt was killed./ अल्तुनिया ने भटिंडा में रजिया को बंदी बना लिया और याकूत की हत्या कर दी गई।**
- **Later, Razia married Altunia, both tried to regain Delhi but were defeated and killed at Kaithal (Haryana) in 1240 CE./ बाद में, रजिया ने अल्तुनिया से विवाह किया, दोनों ने दिल्ली पर पुनः कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन 1240 ई. में कैथल (हरियाणा) में पराजित होकर मारे गए।**



# Question

**Q14. Arrange the following rulers of the Slave dynasty in chronological order./ गुलाम वंश के निम्नलिखित शासकों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें।**



[RPF SI 2024]

- A. Bahramshah < Alauddin Masood Shah < Naseeruddin Mahmood < Ruknuddin Firozshah / बहरामशाह < अलाउद्दीन मसूद शाह < नासिरुद्दीन महमूद < रुक्नुद्दीन फिरोजशाह**
- B. Bahramshah < Ruknuddin Firozshah < Naseeruddin Mahmood < Alauddin Masood Shah / बहरामशाह < रुक्नुद्दीन फिरोजशाह < नासिरुद्दीन महमूद < अलाउद्दीन मसूद शाह**
- C. Ruknuddin Firozshah < Bahramshah < Alauddin Masood Shah < Naseeruddin Mahmood / रुक्नुद्दीन फिरोजशाह < बहरामशाह < अलाउद्दीन मसूद शाह < नासिरुद्दीन महमूद**
- D. Naseeruddin Mahmood < Bahramshah < Ruknuddin Firozshah < Alauddin Masood Shah / नासिरुद्दीन महमूद < बहरामशाह < रुक्नुद्दीन फिरोजशाह < अलाउद्दीन मसूद शाह**

# Solution

Correct Answer is Ruknuddin Firozshah < Bahramshah < Alauddin Masood Shah < Naseeruddin Mahmood

**The correct chronological order of the rulers mentioned in the question is as follows:**

प्रश्न में उल्लिखित शासकों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है:

- **Ruknuddin Firoz Shah (1236 CE) was the son of Sultan Iltutmish and ascended the throne after his father's death./ रुकनुद्दीन फिरोज शाह (1236 ई.) सुल्तान इल्तुमिश के पुत्र थे और अपने पिता की मृत्यु के बाद गद्दी पर बैठे।**
- **but he ruled for only about seven months. / लेकिन उन्होंने केवल लगभग सात महीने तक शासन किया।**
- **He was succeeded by Razia Sultana (1236-1240 CE)/ उनके बाद रजिया सुल्तान (1236-1240 ई.) ने गद्दी संभाली।**

- After whom her brother Bahram Shah (1240-1242 CE) took over. / जिसके बाद उसके भाई बहराम शाह (1240-1242 ई.) ने सत्ता संभाली।
- Alauddin Masood Shah (1242-1246 CE), a grandson of Iltutmish, became the Sultan. Naseeruddin Mahmood (1246-1266 CE) ruled for the longest period among them. / इल्तुतमिश का पोता अलाउद्दीन मसूद शाह (1242-1246 ई.) सुल्तान बना। नसीरुद्दीन महमूद (1246-1266 ई.) ने उनमें से सबसे लंबे समय तक शासन किया।
- He was known for his pious and simple life and delegated actual administrative power to his capable minister, Ghiyasuddin Balban./ वह अपने धर्मपरायण और सादा जीवन के लिए जाना जाता था और उसने वास्तविक प्रशासनिक शक्ति अपने योग्य मंत्री गयासुद्दीन बलबन को सौंप दी थी।



# Question

**Q15. Assertion (A): Balban made his government firm, stable and centralized all authority in his hands./ कथन (A): बलबन ने अपनी सरकार को मजबूत, स्थिर बनाया और सारी शक्ति अपने हाथों में केंद्रीकृत कर ली।**

**Reason (R): He wanted to protect the North-West frontier against Mongol invasions./ कारण (R): वह उत्तर-पश्चिमी सीमा को मंगोल आक्रमणों से बचाना चाहता था।**



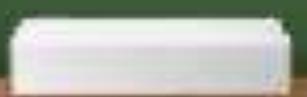
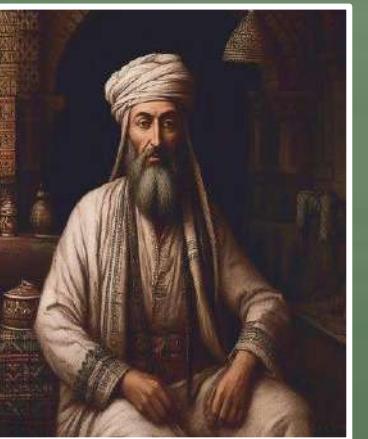
**U.P.P.C.S. Mains 2013**

- A. Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A). / दोनों सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।**
- B. Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A). / दोनों सही हैं पर (R) कारण नहीं है।**
- C. (A) is true, but (R) is false. / (A) सही है, पर (R) गलत है।**
- D. (A) is false, but (R) is true. / (A) गलत है, पर (R) सही है।**

# Solution

**Correct Answer is Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).**

- **Ghiyasuddin Balban Served as Naib (Deputy Sultan) under Nasir-ud-din Mahmud, and after his death, became Sultan of Delhi in 1266 CE./** ग़यासुद्दीन बलबन ने नासिरुद्दीन महमूद के अधीन नायब (उप सुल्तान) के रूप में कार्य किया और उनकी मृत्यु के बाद, 1266 ई. में दिल्ली का सुल्तान बना।
- **Sultan Ghiyasuddin Balban (1266-1287 CE) adopted a harsh policy to strengthen the Delhi Sultanate. /** सुल्तान ग़यासुद्दीन बलबन (1266-1287 ई.) ने दिल्ली सल्तनत को मज़बूत करने के लिए कठोर नीति अपनाई।
- **He followed a policy of 'Blood and Iron' and proclaimed the theory of kingship to give a divine status to his authority. /** उन्होंने 'रक्त और लौह' की नीति अपनाई और अपनी सत्ता को दैवीय दर्जा देने के लिए राजत्व के सिद्धांत की घोषणा की।



- He adopted titles like **Zil-e-Ilahi (Shadow of God)** and **Niyabat-e-Khudai (Deputy of God)**. / उन्होंने ज़िल-ए-इलाही (ईश्वर की छाया) और नियाबत-ए-खुदाई (ईश्वर का प्रतिनिधि) जैसी उपाधियाँ धारण कीं।
- He enhanced royal prestige by introducing Persian traditions like '**Sijda**' (prostration) and '**Paibos**' (kissing the feet). / उन्होंने 'सिजदा' (प्रणाम) और 'पाइबोस' (चरण चूमना) जैसी फ़ारसी परंपराओं को लागू करके शाही प्रतिष्ठा को बढ़ाया।
- He centralized all authority in his hands to crush the power of the nobles and suppress rebellions. / उन्होंने कुलीनों की शक्ति को कुचलने और विद्रोहों को दबाने के लिए सभी अधिकार अपने हाथों में केंद्रित कर लिए।
- He introduced **Diwan-i-Arz** = **Military Department**, / उन्होंने दीवान-ए-अर्ज = सैन्य विभाग,
- Head = **Ariz-i-Mumalik**, / प्रमुख = अरीज़-ए-मुमालिक,
- Function = **Recruitment, discipline, and inspection of the army**. / कार्य = सेना की भर्ती, अनुशासन और निरीक्षण की शुरुआत की।

- **Balban destroyed the influence of the Turkan-i-Chihalgani./बलबन ने तुर्कन-ए-चिहालगानी के प्रभाव को नष्ट कर दिया।**
- **He introduced espionage system (Barid system) to keep watch on rebellions. / उसने विद्रोहियों पर नज़र रखने के लिए जासूसी प्रणाली (बरीद प्रणाली) शुरू की।**
- **His eldest son, Prince Muhammad, governor of Multan, was killed by Mongols — a deep personal loss for Balban./ उसके सबसे बड़े बेटे, मुल्तान के गवर्नर, राजकुमार मुहम्मद, मंगोलों द्वारा मारे गए - जो बलबन के लिए एक गहरी व्यक्तिगत क्षति थी।**
  - ✓ **Died in 1287 CE, buried in Mehrauli (Delhi)./ 1287 ई. में मृत्यु हो गई, महरौली (दिल्ली) में दफनाया गया।**
  - ✓ **Succeeded by his weak grandson Kaiqubad, leading to decline until the rise of the Khilji Dynasty./ उसके बाद उसके कमज़ोर पोते कैकुबाद ने गद्दी संभाली, जिसके कारण खिलजी वंश का उदय होने तक पतन होता रहा।**

## Question

**Q16. Who among the following was the founder of the Khilji dynasty?**

निम्नलिखित में से खिलजी वंश का संस्थापक कौन था?

 RRB NTPC CBT 2

- A. Jalal-ud-din Khilji / जलालुद्दीन खिलजी**
- B. Alauddin Khilji / अलाउद्दीन खिलजी**
- C. Nasiruddin Khusrau Shah / नासिरुद्दीन खुसरौ शाह**
- D. Qutbuddin Mubarak Shah / कुतुबुद्दीन मुबारक शाह**

## Solution

Correct Answer is Jalal-ud-din Khilji

- The Khilji dynasty was founded by Jalal-ud-din Firoz Khilji in 1290 CE. / खिलजी वंश की स्थापना जलाल-उद-दीन फिरोज खिलजी ने 1290 ई. में की थी।
- He seized power by overthrowing the last ruler of the Mamluk (or Slave) Dynasty of the Delhi Sultanate, Kaiqubad, and his infant son Shamsuddin Kayumars. / उसने दिल्ली सल्तनत के मामलुक (या गुलाम) वंश के अंतिम शासक कैकुबाद और उसके शिशु पुत्र शम्सुद्दीन कयूमर को अपदस्थ करके सत्ता हथिया ली।
- His nephew and son-in-law, Alauddin Khilji, who later became the most powerful Khilji Sultan, assassinated Jalal-ud-din in a conspiracy in 1296 CE and captured the throne./ उसके भतीजे और दामाद अलाउद्दीन खिलजी, जो बाद में सबसे शक्तिशाली खिलजी सुल्तान बना, ने 1296 ई. में एक षड्यंत्र में जलाल-उद-दीन की हत्या कर दी और सिंहासन पर कब्जा कर लिया।

# Question

**Q17. Statement 1: Alauddin Khalji is remembered for administrative reforms and military expansion in the north.**

**कथन 1: अलाउद्दीन खिलजी को प्रशासनिक सुधारों और उत्तर में सैन्य विस्तार के लिए याद किया जाता है।**

**Statement 2: Muhammad Bin Tughlaq's project to transfer the capital from Delhi to Daulatabad ultimately failed.**

**कथन 2: मुहम्मद बिन तुगलक की राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानांतरित करने की योजना अंततः असफल रही।**

**[SSC Phase XIII – 31/07/2025 Shift-1]**

- A. Only 1 / केवल 1**
- B. Only 2 / केवल 2**
- C. Both 1 and 2 are correct / दोनों सही हैं**
- D. Neither 1 nor 2 / न तो 1 और न ही 2**

# Solution

**Correct Answer is Both 1 and 2 are correct**

- **Alauddin Khalji (1296-1316 CE) is renowned for his significant administrative reforms, including the 'Dagh' (branding of horses) and 'Chehra' (descriptive roll of soldiers) system.**
- **He implemented a market control policy and undertook military expansion in the north to counter Mongol invasions.**
- अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.) अपने महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधारों के लिए प्रसिद्ध हैं, जिनमें 'दाग' (घोड़ों पर दाग लगाना) और 'चेहरा' (सैनिकों की सूची) प्रणाली शामिल है।
- उन्होंने बाज़ार नियंत्रण नीति लागू की और मंगोल आक्रमणों का मुकाबला करने के लिए उत्तर में सैन्य विस्तार किया।

# Solution

## Military Administration (सैन्य प्रशासन)

### Main Objectives

- To maintain a strong, disciplined, and loyal army.
- To defend the empire from Mongol invasions and control rebellions.

### सैन्य प्रशासन

### मुख्य उद्देश्य



- एक मजबूत, अनुशासित और वफादार सेना बनाए रखना।
- मंगोल आक्रमणों से साम्राज्य की रक्षा करना और विद्रोहों पर नियंत्रण रखना।

# Solution

## Standing Army (स्थायी सेना):

- o Maintained a large permanent army directly under his control./ अपने नियंत्रण में एक बड़ी स्थायी सेना बनाए रखी।

## Dagh System (Branding of Horses / दाग प्रणाली):

- o Introduced horse branding (Dagh) to prevent fake entries in army rolls./ सेना की सूची में फर्जी प्रविष्टियों को रोकने के लिए घोड़ों पर दाग (दाग) की शुरुआत की।
- o Ensured soldiers brought their own horses for inspection./ यह सुनिश्चित किया कि सैनिक निरीक्षण के लिए अपने घोड़े स्वयं लाएँ।

## Chehra System (Description Register / चेहरा प्रणाली):

- o Detailed record of each soldier's physical description and identity to prevent fraud./ धोखाधड़ी रोकने के लिए प्रत्येक सैनिक के शारीरिक विवरण और पहचान का विस्तृत रिकॉर्ड।

# Solution

## Payment in Cash (नकद वेतन):

- o **Soldiers paid in cash instead of Iqta grants to ensure direct control./** प्रत्यक्ष नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए इक्ता अनुदान के बजाय सैनिकों को नकद भुगतान किया जाता था।

## Ariz-i-Mumalik (आरीज-ए-ममालिक):

- o **Head of the Diwan-i-Arz (Military Department) supervised recruitment, inspection, and discipline./** दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग) का प्रमुख भर्ती, निरीक्षण और अनुशासन का पर्यवेक्षण करता था।

## Frontier Defense (सीमा रक्षा):

- o **Strengthened northwest forts (Multan, Lahore, Dipalpur) to stop Mongol invasions./** मंगोल आक्रमणों को रोकने के लिए उत्तर-पश्चिमी किलों (मुल्तान, लाहौर, दीपालपुर) को मजबूत किया।

# Solution

## Market Administration (बाजार प्रशासन)

### Main Objectives/ मुख्य उद्देश्य

- **To control prices and check corruption./** कीमतों को नियंत्रित करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए।
- **To ensure stable food prices for his large standing army./** अपनी विशाल सेना के लिए स्थिर खाद्य कीमतें सुनिश्चित करने के लिए।

### Departments & Officials/ विभाग और अधिकारी

- **Established Diwan-i-Riyasat (Market Department)./** दीवान-ए-रियासत (बाजार विभाग) की स्थापना की।
- **Appointed Shahna-i-Mandi (Market Controller) to monitor markets./** बाजारों की निगरानी के लिए शाहना-ए-मंडी (बाजार नियंत्रक) की नियुक्ति की।
- **Barids (spies) and secret officers reported price violations directly to the Sultan./** बरीद (जासूस) और गुप्तचर अधिकारी मूल्य उल्लंघन की सूचना सीधे सुल्तान को देते थे।

# Solution

## Key Market Regulations/ प्रमुख बाजार नियम

### 1. Price Fixation (कीमत निर्धारण):

- o **Fixed prices for food grains, clothes, horses, cattle, and slaves./** खाद्यान्न, कपड़े, घोड़े, मवेशी और दासों के लिए निश्चित मूल्य।
- o **Traders had to sell strictly at government-set rates./** व्यापारियों को सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर ही बेचना पड़ता था।

### 2. Grain Storage (अनाज भंडारण):

- o **Built state granaries in Delhi to prevent famine or black-marketing./** अकाल या कालाबाजारी को रोकने के लिए दिल्ली में राजकीय अन्न भंडार बनाए गए।

### 3. Regulation of Trade (व्यापार नियंत्रण):

- o **Only licensed merchants could trade; hoarding was banned./** केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारी ही व्यापार कर सकते थे; जमाखोरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

# *Solution*

## **4. Control on Transport & Weights (परिवहन व तौल):**

- o Checked fraud in weights and measures.
- o Regulated transport to keep supply smooth and prices stable.
- o बाट और माप में धोखाधड़ी की जाँच की गई।
- o आपूर्ति सुचारू और कीमतें स्थिर रखने के लिए परिवहन को विनियमित किया गया।

## **5. Strict Punishment (कड़ी सज़ा):**

- o Heavy penalties for cheating, hoarding, or overpricing.
- o धोखाधड़ी, जमाखोरी या अधिक कीमत वसूलने पर भारी जुर्माना।

# Solution

## Significance

- His military reforms ensured a powerful army.
- His market reforms kept prices low and stable, making it easier to pay soldiers fixed salaries.
- These measures reflect his discipline, control, and administrative genius.

## महत्व

- उनके सैन्य सुधारों ने एक शक्तिशाली सेना सुनिश्चित की।
- उनके बाजार सुधारों ने कीमतें कम और स्थिर रखीं, जिससे सैनिकों को निश्चित वेतन देना आसान हो गया।
- ये उपाय उनके अनुशासन, नियंत्रण और प्रशासनिक प्रतिभा को दर्शाते हैं।

# Solution

## Main taxes/ मुख्य कर

- Jizya: A poll tax levied on non-Muslim subjects.
- जजिया: गैर-मुस्लिम प्रजा पर लगाया जाने वाला एक कर।
- Kharaj: A significant land tax that was sometimes fixed at 50% of the agricultural produce.
- खराज: एक महत्वपूर्ण भूमि कर जो कभी-कभी कृषि उपज का 50% निर्धारित किया जाता था।
- Ghari: A house tax imposed on the inhabitants of a settlement.
- घारी: किसी बस्ती के निवासियों पर लगाया जाने वाला गृह कर।
- Chari: A tax levied on pastures and cattle, also referred to as a field duty.
- चरी: चरागाहों और मवेशियों पर लगाया जाने वाला कर, जिसे कृषि कर भी कहा जाता है।



# Solution

## Other taxes/ अन्य कर

- **Zakat: An Islamic tax on Muslims, which was a form of alms for the poor.**
- **जकात: मुसलमानों पर लगाया जाने वाला एक इस्लामी कर, जो गरीबों के लिए दान का एक रूप था।**



- **Khams: A tax on war booty, where the state took one-fifth of the spoils, with four-fifths going to the soldiers.**
- **खाम: युद्ध में लूटे गए माल पर लगाया जाने वाला कर, जिसमें राज्य लूट का पाँचवाँ हिस्सा लेता था और चार-पाँचवाँ हिस्सा सैनिकों को दिया जाता था।**



# Question



**Q18. Who among the following was the slave-general of Alauddin Khalji who led his army in the battle against Ramachandra of Devagiri?**

निम्नलिखित में से कौन अलाउद्दीन खिलजी का गुलाम सेनापति था जिसने देवगिरि के रामचंद्र के विरुद्ध सेना का नेतृत्व किया था?

**[RRB NTPC CBT-2]**

- A. Nusrat Khan / نورت خان**
- B. Malik Kafur / ملک کافور**
- C. Ulugh Khan / ولوگ خان**
- D. Zafar Khan / زفر خان**



# Solution

Correct Answer is Malik Kafur

Alauddin Khilji (1296–1316 CE)/ अलाउद्दीन खिलजी (1296–1316 ईस्वी)



## 1. Dynasty and Background / वंश और पृष्ठभूमि

- **Second ruler of Khilji Dynasty / खिलजी वंश का दूसरा शासक था।**
- **Original name: Ali Gurshasp / मूल नाम: अली गुरशास्प।**

## 2. Conquests / विजय अभियान

- **Gujarat (1299 CE): Captured; Malik Kafur played a key role./ गुजरात पर विजय (1299 ई.): मलिक काफूर ने प्रमुख भूमिका निभाई।**
- **Ranthambhor, Chittor, Malwa, Jalore were conquered./ रणथंभौर, चित्तौड़, मालवा, जालौर पर अधिकार किया।**
- **Deccan Campaigns (1308–1311 CE): Led by Malik Kafur — defeated Yadavas (Devagiri), Kakatiyas (Warangal), Hoysalas (Dwarasamudra), Pandyas (Madurai)./ दक्षिण भारत अभियान (1308–1311 ई.): मलिक काफूर द्वारा संचालित — यादव, काकतीय, होयसाल, पांड्य शासकों को पराजित किया।**





# Solution



## 3. Titles / उपाधियाँ

- **Sikandar-i-Sani (Second Alexander) / सिकंदर-ए-सानी (दूसरा सिकंदर)**
- **Yamin-ud-Din / यमीन-उद-दीन**
- **Zill-i-Ilahi (Shadow of God) / ज़िल्ल-ए-इलाही (ईश्वर की छाया)**
- **Naib-i-Khilafat (Deputy of Caliph) / नायब-ए-खिलाफत (खलीफा का नायब)**

## 4. Cultural Achievements / सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

- **Patronized poet Amir Khusrau (Tuti-i-Hind or Parrot of India), who called him Sikandar Sani./** कवि अमीर खुसरो का संरक्षण किया, जिन्होंने उन्हें 'सिकंदर सानी' कहा।
- **Promoted Persian literature and music./** फारसी साहित्य और संगीत को बढ़ावा दिया।

## 5. Death / मृत्यु

- **Died in 1316 CE, succeeded by Qutb-ud-din Mubarak Shah Khilji./** 1316 ई. में मृत्यु, उत्तराधिकारी - कुतबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी।





# Solution



- **Malik Kafur, also known as Hazar Dinari (the thousand-dinar man), was a prominent slave-general of Alauddin Khalji. /**  
मलिक काफूर, जिसे हजार दीनार का व्यक्ति भी कहा जाता था, अलाउद्दीन खिलजी का एक प्रमुख दास-सेनापति था।
- **He led the successful military campaign in 1308 CE against Ramachandra Deva, the Yadava ruler of Devagiri. /** उसने 1308 ई. में देवगिरि के यादव शासक रामचंद्र देव के विरुद्ध सफल सैन्य अभियान का नेतृत्व किया।
- **This victory was a significant milestone in the southern expansion of the Khalji empire and established the foundation of Muslim rule in the Deccan region. /** यह विजय खिलजी साम्राज्य के दक्षिणी विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई और इसने दक्कन क्षेत्र में मुस्लिम शासन की नींव रखी।
- **Malik Kafur later also led successful campaigns against the Kakatiyas of Warangal and the Hoysala Empire. /** मलिक काफूर ने बाद में वारंगल के काकतीय और होयसल साम्राज्य के विरुद्ध भी सफल अभियानों का नेतृत्व किया।



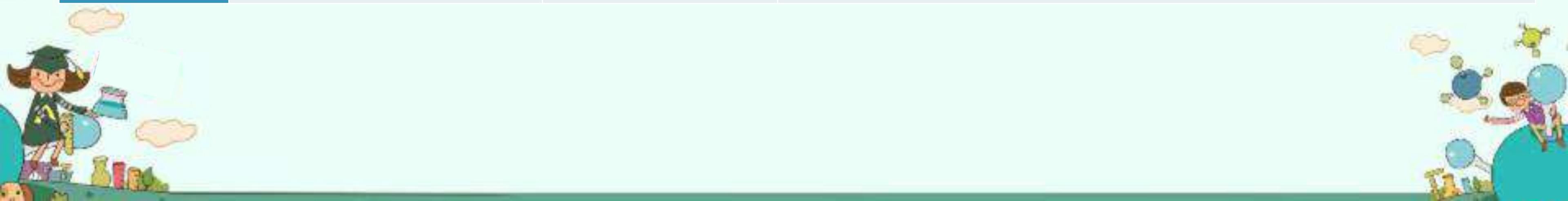


# Solution



## Major Expeditions (1306–1311 CE)

Year	Kingdom / Place	Ruler Defeated	Outcome
1306–07 CE	Devagiri (Yadavas)	Ramachandra Deva	<ul style="list-style-type: none"><li>• Ramachandra accepted Alauddin's suzerainty and paid tribute.</li><li>• रामचंद्र ने अलाउद्दीन की अधीनता स्वीकार कर ली और उसे कर दिया।</li></ul>
1309-10 CE	Warangal (Kakatiyas)	Prataparudra Deva	<ul style="list-style-type: none"><li>• Accepted defeat, paid huge tribute of gold, elephants, and jewels.</li><li>• हार स्वीकार कर ली, सोने, हाथियों और जवाहरात का भारी दान दिया।</li></ul>
1310 CE	Dwarasamudra (Hoysalas)	Vira Ballala III	<ul style="list-style-type: none"><li>• Submitted and paid heavy tribute.</li><li>• प्रस्तुत किया और भारी श्रद्धांजलि अर्पित की।</li></ul>
1311 CE	Madurai (Pandya Kingdom)	Sundara Pandya & Vira Pandya (brothers)	<ul style="list-style-type: none"><li>• Looted immense wealth and treasures; brought back jewels and elephants./ अपार धन और खजाने लूटे; जवाहरात और हाथी वापस लाए।</li></ul>



## Question

**Q19. Alauddin Khalji's reign is marked by his successful defense against which foreign invader?**

अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में उसने किस विदेशी आक्रमणकारी के विरुद्ध सफल रक्षा की थी?

[SSC Phase XIII – 28/07/2025 Shift-1]

- A. Timur / तैमूर**
- B. Mongols / मंगोल**
- C. Babur / बाबर**
- D. Mahmud of Ghazni / महमूद ग़ज़नवी**

## Solution

### Correct Answer is Mongols

- **Alauddin Khalji's reign (1296-1316 CE) is notably marked by his successful defense against the Mongol invasions. / अलाउद्दीन खिलजी का शासनकाल (1296-1316 ई.) मंगोल आक्रमणों के विरुद्ध उनकी सफल रक्षा के लिए उल्लेखनीय है।**
- **He faced multiple Mongol incursions led by commanders like Qadir and Targhi. / कादिर और तर्गी जैसे सेनापतियों के नेतृत्व में उन्हें कई मंगोल आक्रमणों का सामना करना पड़ा।**
- **Khalji established a large standing army (paid in cash). / खिलजी ने एक विशाल स्थायी सेना (नकद वेतन) स्थापित की।**

# Question

**Q20. The office of Diwan-i-Insha dealt with which affair in administration?**

**दीवान-ए-इंशा का कार्य प्रशासन में किस विषय से संबंधित था?**



**[RRB NTPC CBT]**

- A. Military / सैन्य**
- B. Religious affairs / धार्मिक कार्य**
- C. Finance / वित्त**
- D. State correspondence / राज्य पत्राचार**

# Solution

Correct Answer is State correspondence

## Departments during Alauddin Khalji's Reign/ अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के विभाग

Department (विभाग)	Head / Officer (प्रमुख अधिकारी)	Main Function (मुख्य कार्य)
Diwan-i-Wizarat	Wazir (Prime Minister) / वज़ीर (प्रधानमंत्री)	<ul style="list-style-type: none"><li>Controlled finance, revenue collection, and expenditure. / वित्त, राजस्व संग्रहण और व्यय का नियंत्रण।</li></ul>
Diwan-i-Arz	Ariz-i-Mumalik / अरीज़-ए-ममालिक	<ul style="list-style-type: none"><li>Managed army recruitment, training, branding of horses (Dagh) and record of soldiers (Chehra). / सेना की भर्ती, प्रशिक्षण, घोड़ों पर दाग लगाना (दाग) और सैनिकों का विवरण (चेहरा)।</li></ul>
Diwan-i-Rasalat	Sadr-us-Sudur / सद्र-उस-सुदूर	<ul style="list-style-type: none"><li>Looked after religious matters and correspondence with foreign rulers. / धार्मिक मामलों और विदेशी शासकों से पत्राचार का कार्य।</li></ul>
Diwan-i-Insha	Dabir-i-Khas / दाबिर-ए-खास	<ul style="list-style-type: none"><li>Managed royal correspondence and official records. / शाही पत्राचार और सरकारी अभिलेखों का प्रबंधन।</li></ul>

Department (विभाग)	Head / Officer (प्रमुख अधिकारी)	Main Function (मुख्य कार्य)
Diwan-i-Barid	Barid-i-Mumalik / बारिद-ए-ममालिक	<ul style="list-style-type: none"><li>Head of intelligence department; collected secret reports from provinces. / गुप्तचर विभाग का प्रमुख; प्रांतों से गुप्त सूचनाएँ एकत्रित करता था।</li></ul>
Diwan-i-Riayat (or Diwan-i-Mandi)	Shahana-i-Mandi / शहाना-ए-मंडी	<ul style="list-style-type: none"><li>Controlled market prices, prevented black-marketing and hoarding. / बाजार के मूल्य नियंत्रित करना, कालाबाज़ारी और जमाखोरी को रोकना।</li></ul>
Diwan-i-Qaza	Qazi-ul-Quzat / काजी-उल-कुज़त	<ul style="list-style-type: none"><li>Head of the judicial department; implemented Islamic law (Sharia). / न्याय विभाग का प्रमुख; इस्लामी कानून (शरिया) लागू करता था।</li></ul>

# Question

**Q21. Alai-Darwaza, the southern gateway of the Quwwat-ul-Islam Mosque in Delhi, was constructed by कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिणी द्वार 'अलाई दरवाजा' का निर्माण किसके द्वारा कराया गया था?**

SSC CGL 2019

- A. Ahmad Shah Durrani / अहमद शाह दुर्रानी**
- B. Mu'izz-ud-Din Muhammad Ghori / मुइज़जुद्दीन मुहम्मद गौरी**
- C. Ala-ud-din Khilji / अलाउद्दीन खिलजी**
- D. Muhammad bin Tughluq / मुहम्मद बिन तुगलक**

# Solution

Correct Answer is Ala-ud-din Khilji

- **The Alai Darwaza is a magnificent gateway that serves as the southern entrance to the Quwwat-ul-Islam Mosque in Delhi. / अलाई दरवाजा एक भव्य प्रवेश द्वार है जो दिल्ली स्थित कुब्बत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिणी प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।**



- **It was constructed by Ala-ud-din Khilji (1296-1316 CE), the most powerful ruler of the Khilji dynasty of the Delhi Sultanate, in 1311 CE. / इसका निर्माण दिल्ली सल्तनत के खिलजी वंश के सबसे शक्तिशाली शासक अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.) ने 1311 ई. में करवाया था।**

# Solution

- **Ala-ud-din Khilji had ambitious plans to expand the mosque complex, and the Alai Darwaza was part of this grand project. / अलाउद्दीन खिलजी की मस्जिद परिसर के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना थी और अलाई दरवाज़ा इसी भव्य परियोजना का हिस्सा था।**
- **Siri Fort and Hauz Khas (Delhi) were also constructed by Ala-ud-din Khilji./ सिरी किला और हौज खास (दिल्ली) का निर्माण भी अलाउद्दीन खिलजी ने करवाया था।**



## Question

Q22. Who amongst the following raised the banner of revolt against Nasiruddin Khusrau?

निम्नलिखित में से किसने नासिरुद्दीन खुसरौ के विरुद्ध विद्रोह का झंडा उठाया था?

[CHSL 2023]

- A. Nasiruddin Tughlaq / नासिरुद्दीन तुगलक
- B. Muhammad bin Tughlaq / मुहम्मद बिन तुगलक
- C. Feroz Shah Tughlaq / फिरोज शाह तुगलक
- D. Ghiyasuddin Tughlaq / गियासुद्दीन तुगलक

# *Solution*

## Correct Answer is Ghiyasuddin Tughlaq

- **Ghiyasuddin Tughlaq, who was the governor of Dipalpur at that time, raised the banner of revolt against Khusrau's illegitimate and tyrannical rule. /**  
उस समय दीपालपुर के गवर्नर गयासुद्दीन तुगलक ने खुसरो के नाजायज और अत्याचारी शासन के विरुद्ध विद्रोह का झांडा बुलंद किया।
- **Ghiyasuddin Tughlaq took the titles "Ghazi" (Defender of Islam)./** गयासुद्दीन तुगलक ने "गाजी" (इस्लाम का रक्षक) की उपाधि धारण की।

## *Solution*

- **He defeated Khusrau's army and killed him, after which he ascended the throne of Delhi and founded the Tughlaq Dynasty.** / उसने खुसरो की सेना को पराजित कर उसकी हत्या कर दी, जिसके बाद वह दिल्ली की गद्दी पर बैठा और तुगलक वंश की स्थापना की।
- **The Tughlaq Dynasty ruled the Delhi Sultanate from 1320 to 1414 CE.** / तुगलक वंश ने 1320 से 1414 ई. तक दिल्ली सल्तनत पर शासन किया।
- **Ghiyasuddin Tughlaq built a new fort and city called Tughlaqabad as his capital.** / गयासुद्दीन तुगलक ने अपनी राजधानी के रूप में तुगलकाबाद नामक एक नया किला और शहर बनवाया।
- **He was succeeded by his son, Muhammad bin Tughlaq, who is famous for his controversial policies.** / उसके बाद उसका पुत्र मुहम्मद बिन तुगलक गद्दी पर बैठा, जो अपनी विवादास्पद नीतियों के लिए प्रसिद्ध है।

# Thank You